जुड़िए हमसे... पर @risingindore.news 0731-4032200

इंदौर, बुधवार, 11 जून 2025

राइजिंग इन्दौर

सच का सारथी

वर्ष -12, अंक-24

मूल्य 2 रूपए, पेज- 8

Inside page 06

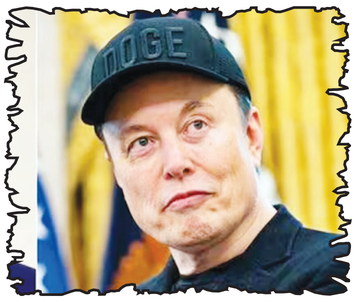

# सोनम ने उजाड़ा सिंदूर

# शर्मिंदा हुआ शहर...

## पूरे देश में इंदौर की साख को लगा दिया बट्टा...

**सोनम रघुवंशी ने जो कुछ किया उसने पूरे इंदौर को शर्मिंदा कर दिया। लोकमाता देवी अहिल्या की नगरी को पूरे देश में उसके संस्कार और संस्कृति के लिए पहचाना जाता है। इस शहर की साख को सोनम ने बट्टा लगा दिया। जब से यह मामला सामने आया है तब से हर कोई सोनम के कारनामों को तोहमत देता हुआ नजर आ रहा है। पर्यटन स्थल शिलांग को कलंकित करते इंदौर के वासी अब अपने मस्तक पर लगे कलंक के टीके को छुपाने में लगे हैं।**

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

**नव विवाहित जोड़े के प्रति वैसे भी सभी की सद्भावना होती है। हर कोई यह शुभकामना देते हुए नजर आता है कि आपका दांपत्य जीवन बहुत अच्छा चले। युवावस्था के पश्चात जिम्मेदारियां से भारी दांपत्य जीवन की अवस्था में आप पति-पत्नी के रूप में एक दूसरे के बेहतर सहयोगी साबित हों। हम सभी के जीवन में समा चुकी पाश्चात्य संस्कृति विवाह के पश्चात हनीमून पर जाने के प्रचलन को बनाती है।**

इस प्रचलन के कारण ही आज के समय में जो भी जोड़ा पढ़ने बंधन में बांधता है। वह शादी के बाद हनीमून पर किसी अच्छे और बड़े स्थान पर जाता है। पहले के समय पर नए जोड़े शादी के बाद अपनी मान्यता के अनुसार किसी प्रमुख तीर्थ स्थल पर जाकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करते थे। भगवान से अपने सफल दांपत्य जीवन की प्रार्थना करते थे। सोनम को भी उसके राजा के साथ उनके परिवार के लोगों ने गुवाहाटी में राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी कामाख्या पीठ दर्शन करने के लिए भेजा था। यह जोड़ा यदि परिवार के द्वारा तय किए गए कार्यक्रम के अनुसार मां के दर्शन कर वापस अपने शहर के लिए प्रस्थान कर जाता तो कुछ नहीं होता।

दर्शन के पहले ही सोनम ने तो अपने जीवन के राज (राज कुशवाह) से अपने सिंदूर को मिटाने का फैसला कर लिया था। योजना भी बनकर तैयार हो गई थी। इस योजना के तहत ही जोर देकर वह अपने पति को घूमने के लिए शिलांग लेकर गई। नई नवेली पत्नी के प्यार के प्रति आसक्त होने के कारण राजा शिलांग जाने से इनकार नहीं कर सका। नए रिश्ते के प्रति मन में पैदा हुआ सद्भाव ही जिंदगी की बाजी के हार जाने का कारण बना।

जिस तरह से रहस्यमय स्थिति में यह जोड़ा शिलांग की वादियों से गायब हुआ था। उससे पूरे शहर में गुस्सा फैल गया था। इंदौर के लोग मेघालय की कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहे थे। शिलांग की वादियों को कोसा जा रहा था। शहर में एक तरह से मूमेंट बन गया था कि अब कोई भी घूमने या हनीमून पर शिलांग नहीं जाएगा। जब सोनम के सिंदूर राजा रघुवंशी की लाश मिली तो हर किसी के हलक से चीख निकल गई थी। उसके बाद भी गायब सोनम के प्रति पूरे शहर में सद्भावना थी। हर कोई यहां अनुमान लगाने में लगा हुआ था कि क्या पता सोनम किस स्थिति में होगी? उसके साथ क्या गुजर रही होगी? उसकी सकुशल वापसी के लिए पूजा पाठ प्रार्थना हो रही थी। उसके पिता ने ज्योतिष की सलाह पर घर के बाहर सोनम के चित्र को उल्टा लगा दिया था। यह चित्र उल्टा लगने के बाद सोनम मिली तो अब तक हादसे के रूप में नजर आ रहे घटनाक्रम की कहानी भी उलट गई।

इस घटनाक्रम के दौर में शिलांग को कोसने वाले इंदौर के मस्तक पर सोनम ने अपने प्यार को पाने के लिए किए गए कृत्य से कलंक का टीका लगा दिया। पूरे देश में स्वच्छता के लिए पहचाने जाने वाले इंदौर को आने वाले कुछ सालों के लिए सोनम के कारनामों ने एक नई पहचान दे दी। कभी बेदर्दी के भूमि हत्याकांड का साक्षी रहा यह शहर अब बेवफाई के राजा कांड का प्रत्यक्षदर्शी बन गया।

इस घटनाक्रम ने पूरे देश में इंदौर की साख को बट्टा लगा दिया। हर किसी को इंदौर पर उंगली उठाने का मौका दे दिया। एक अच्छे शहर की पहचान एक गलत घटना बन गई। इस घटना को आने वाले समय में लंबे अर्से तक इंदौर के नाम से पहचाना जाएगा।

राइजिंग इंदौर अब risingindore.com और MAGZTER.com पर डिजिटल रूप में भी उपलब्ध...

# नेहरू पार्क ... अब पार्क ही नहीं रहा...

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

**नेहरू पार्क, कभी बिस्को पार्क कहलाता था। अब यह पार्क स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में गया तो करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद संवरने के बजाए उजाड़ हो गया। इसे लेकर नगर निगम की महापौर परिषद के सदस्य राजेंद्र राठौड़ ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर इसमें धांधली के प्रति नाराजगी जताई है।**

किसी समय अपनी हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाने वाला इंदौर का नेहरू पार्क अब उजाड़ पार्क में तब्दील हो गया है। यह पार्क अब अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। किसी समय यह नगर का प्रमुख मनोरंजन का केंद्र हुआ करता था। इस पार्क के पेड़ो की छांव में कई छात्र बैठकर पढ़ाई किया करते थे। बच्चों की रेल की सीटी से गुंजायमान हुआ करता था यह पार्क। शुरू में यह बिस्को पार्क कहलाता था, फिर बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू के नाम हुआ और अब स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में गया तो करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद संवरने के बजाए उजाड़ हो गया। इसमें भारी भ्रष्टाचार की गंध आ रही है। यह इंदौर नगर निगम की महापौर परिषद के सदस्य राजेंद्र राठौड़ ने भी महसूस की है, इसलिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इसमें धांधली के प्रति नाराजगी जताई है। गुरुवार को इंदौर के प्रमुख नेता और नगरीय निकाय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी नेहरू पार्क की बदहाली और पार्क में बने भवनों पर नाराजगी व्यक्त की है।

### होल्कर राज्य के वन संरक्षक थे सर बिस्को

18वीं शताब्दी के अंत में इस उद्यान का नाम तत्कालीन होल्कर राज्य के वन संरक्षक सर विलियम फ्रेशर बिस्को के नाम पर रखा गया था। उस दौर में हर शनिवार को रियासत का प्रसिद्ध रॉयल बैंड अपने मधुर संगीत की धुनों से यहां जनता का मनोरंजन करता था। आजादी के 1954 में बिस्को पार्क इंदौर नगर पालिका को हस्तांतरित कर दिया गया। 1955 में इंदौर नगर पालिका परिषद ने बिस्को पार्क को अपने अधीन ले लिया। नगर पालिका परिषद के प्रस्ताव क्रमांक 573 दिनांक 24 अक्टूबर 1956 के तहत बिस्को पार्क का नाम पंडित जवाहरलाल नेहरू पार्क के नाम पर किया गया था।

### शहर के मध्य में मनोरंजन का केंद्र तबाह

नेहरू पार्क में विकास के नाम पर बार-बार तोड़फोड़ की गई। बच्चों की रेल तो चालू है पर यहां की हरियाली गायब है और पेड़ों की छांव में मिलने वाला सुकून गायब है। रविवार और सावन के सोमवारों पर नगर के लोग यहां पिकनिक मनाने आया करते थे। गणगौर और अन्य पर्वों पर आयोजन हुआ करते थे, ये सब गतिविधियां अब बंद हो गई हैं और यह पार्क एक ऑफिस बनकर रह गया है। जरूरत है इस नगर के मध्य के मनोरंजन केंद्र को पुनः विकसित कर इस धरोहर को बचाने और संवारने की। अहम सवाल यह है कि स्मार्ट सिटी में शहर की यह धरोहर संवरने की बजाए बिगड़ कैसे गई? इसकी जांच कर भ्रष्टाचार के दोषियों को सबक सिखाना जरूरी है, तभी महारानी देवी अहिल्या के न्याय और उनके सुशासन की झलक अब तक कायम है, यह शहरवासियों को भरोसा हो सकेगा।

### कान्ह के जल से सींचा जाता था

इस उद्यान ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। जलसंकट के दिनों में इस पार्क और यहां मौजूदा सैकड़ों पेड़ों को भारी संकट झेलना पड़ा। 1965 से पूर्व बिस्को पार्क को खान (कान्ह) नदी के पानी से सींचा जाता था। कृष्णपुरा के पास फुट ब्रिज पर बांध बनाकर पानी रोका गया था और पंप के माध्यम से एक विशेष पाइप लाइन से गांधी हॉल उद्यान, नेहरू पार्क और जिला कोर्ट उद्यान तक पानी पहुंचाया जाता था, ताकि यहां की यहां की हरियाली कायम रहे।

### रियासत का केंद्र रहा यह पार्क

13 मई 1924 को महाराजा यशवंत राव ने यहां एक महत्वपूर्ण सभा को संबोधित किया था। इस सभा में उन्होंने इंदौर के स्कूल कॉलेजों की युवा छात्र-छात्राओं को संबोधित किया था। तब नगर का बिस्को पार्क एक आकर्षण का केंद्र हुआ करता था, सुंदर बगीचे और हरियाली से हर किसी का यह मन मोह लेता था।

### महात्मा गांधी आए थे नेहरू पार्क में

20 अप्रैल 1935 को इंदौर में अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन हुआ था। इसमें देशभर के विद्वान लेखक इंदौर पधारे थे। इस हिंदी सम्मेलन की अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी। आयोजन तत्कालीन बिस्को पार्क और वर्तमान के नेहरू पार्क में हुआ था। हिंदी साहित्य सम्मेलन के लिए यहां सुंदर पंडाल लगाया गया था। इस स्थान पर एक नगर बसा दिया गया था, जिसका नाम हुक्मचंद नगर रखा गया था।

### गांधीजी ने यहीं की थी हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की घोषणा

नेहरू पार्क में आयोजित हिंदी सम्मेलन में महात्मा गांधी ने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की घोषणा की थी। इस हिंदी सम्मेलन में बैरिस्टर काशी प्रसाद जायसवाल, डॉक्टर प्राणनाथ विद्या अलंकार, पंडित रामचंद्र शुक्ल, हरिवंश राय बच्चन, पंडित राम नरेश त्रिपाठी, ठाकुर लक्ष्मण सिंह, पंडित गिरधर शर्मा, डॉक्टर दिनेश पांडे, सूरजमल जैन, डॉक्टर गोरखपुर प्रसाद, माखनलाल चतुर्वेदी, पंडित हरिहर शर्मा, महाराज यशवंतराव होल्कर, सर सेठ हुकुमचंद, डॉक्टर सरजू प्रसाद और कई महत्वपूर्ण नागरिक सम्मिलित हुए थे।

### जून 1957 में यहां स्विमिंग पूल बना

बरसों से इंदौर के नागरिकों द्वारा नगर में तरणताल की मांग की जा रही थी। इस पर नगर निगम द्वारा नेहरू पार्क में अत्याधुनिक स्विमिंग पूल के निर्माण का निर्णय लिया गया और जून 1957 को इस स्विमंग पूल का उद्घाटन प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉक्टर कैलाश नाथ काटजू ने किया था। समय-समय पर इसमें सुधार कार्य होते रहे। यह तरणताल काफी पुराना हो चुका था। 2024 में नगर निगम द्वारा इस स्विमिंग पूल को तोड़कर नए पूल निर्माण के टेंडर जारी किए थे। अभी इस पूल का निर्माण कार्य जारी है। पूल फिर आरंभ होने में समय लगेगा।

# एमजी रोड पर भी शुरू होगा मेट्रो का कार्य

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

करीब 6 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो के संचालन का फायदा एक यह भी हुआ कि अब उसके बचे हुए रुट पर काम तेजी से पूरा करने का दबाव मेट्रो कॉर्पोरेशन पर आ गया है और जो जनप्रतिनिधि अभी तक अंडरग्राउंड रूट को लेकर विरोध कर रहे थे, उन्हें भी अब चुप बैठना पड़ेगा, क्योंकि उन्हीं के कारण लगभग सालभर अंडरग्राउंड का काम पिछड़ गया है। जबकि मेट्रो कॉर्पोरेशन ने कुछ समय पूर्व ही 2191 करोड़ में निजी कम्पनी को इसका ठेका सौंप दिया है। अभी एयरपोर्ट की तरफ से कम्पनी ने काम की तैयारी शुरू की है, तो अब एमजी रोड पर भी निशान लगाए जा रहे हैं। आज सुबह मेट्रो के अधिकारी रीगल तिराहा पहुंचे और वहीं स्थित रानी सराय पुलिस मुख्यालय का भी अवलोकन किया। मेट्रो के लिए रानी सराय की जमीन भी ली जा रही है, जहां पर स्टेशन बनेगा। अभी 31 मई को प्रधानमंत्री ने इंदौर मेट्रो के यात्री संचालन का वर्चुअली लोकार्पण किया और जो नेता मेट्रो के रुट को लेकर विरोध करते रहे वे इस लोकार्पण समारोह में सबसे अधिक सक्रिय नजर आए और जोर-शोर से मेट्रो का श्रेय लेने में भी जुटे रहे। बड़ी संख्या में पहले दिन महिलाओं को भी यात्रा कराई गई। उसके साथ ही इस बात का भी दबाव बढ़ा कि एलिवेटेड के साथ-साथ अंडरग्राउंड रूट पर भी काम शुरू किया जाए। दरअसल, मेट्रो कॉर्पोरेशन ने केन्द्र सरकार की मंजूरी के साथ एमजी रोड से मेट्रो को अंडरग्राउंड करने की योजना बनाई और हाईकोर्ट परिसर की जगह भी ली जा रही है, जहां से अंडरग्राउंड का काम शुरू होगा और उसके बाद रानी सराय, रीगल पर मेट्रो का अंडरग्राउंड स्टेशन बनना है। वहां से राजवाड़ा, बड़ा गणपति, रामचंद्र नगर होते हुए एयरपोर्ट तक लगभग 9 किलोमीटर का अंडरग्राउंड रूट रहेगा। आज सुबह मेट्रो के अधिकारियों ने एमजी रोड का भ्रमण किया। रीगल तिराहा, रानी सराय भी पहुंचे और निशान भी लगवाए जा रहे हैं, वहीं इसके पूर्व एयरपोर्ट की तरफ भी बैरिकेडिंग करते हुए अंडरग्राउंड रूट का काम शुरू करने की तैयारी की जा रही है, क्योंकि अभी जिस गांधी नगर स्टेशन से मेट्रो का संचालन शुरू किया है। उसके आगे से एयरपोर्ट तक अंडरग्राउंड रूट बनना है और यह मांग भी अब तेज हो गई कि जब तक विजय नगर से एयरपोर्ट को नहीं जोड़ा जाएगा तब तक मेट्रो के यात्री संचालन का फायदा नहीं मिलेगा। अभी गांधी नगर से विजय नगर तक के एलिवेटेड कॉरिडोर को इस साल के अंत तक शुरू करने के दावे भी किए गए हैं। उसी के साथ गांधी नगर से एयरपोर्ट के हिस्से को भी तैयार करने का दबाव अब मेट्रो कॉर्पोरेशन पर आ गया है। अंडरग्राउंड रूट में बाधक बनने वाले 1240 पेड़ों को भी हटाया जाएगा। इसके लिए मेट्रो कॉर्पोरेशन ने अभी चार दिन पहले ही 12 लाख 40 हजार रुपए की राशि ऑनलाइन नगर निगम में एक हजार रुपए प्रति पेड़ के हिसाब से जमा करा दी है। निगम का दावा है कि इनमें से अधिकांश पेड़ों को कटवाने की बजाय ट्रांसप्लांट करवाएंगे।

# हाथी पाला क्षेत्र में नरकीय हालात

राइजिंग इन्दौर
रिपोर्टर

शहर के मध्य क्षेत्र में हाथी पाला में नगर निगम के द्वारा सड़क के निर्माण के लिए खुदाई तो कर दी गई लेकिन उसके बाद में पूरा काम रुक गया है। इस काम के रुक जाने के कारण इस क्षेत्र में नरकीय हालात बन गए हैं। ड्रेनेज का पानी, नर्मदा का पानी और बारिश का पानी जमा हो गया फिर उसके बाद में गायब सड़क, इन सब से मिलकर पूरे क्षेत्र में हालत खराब हो गई है। ध्यान रहे कि नगर निगम के द्वारा सालों पहले सरवटे बस स्टैंड को गंगवाल बस स्टैंड से जोड़ने के लिए जिस सड़क का निर्माण शुरू किया गया था वह सड़क हाथीपाला से ही गुजरती है। इस सड़क का काम रुके होने के कारण पूरे क्षेत्र में हालात बद से बदतर हो गए हैं।

# निगम ने लगा दी अटाले की दुकान

## राजकुमार मिल रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे सड़क के दोनों तरफ अटाले का ढेर

### नेमावर रोड का ट्रेचिंग ग्राउंड भी अटाले से भरा गया

**इंदौर। इंदौर नगर निगम के द्वारा सड़क के दोनों तरफ अटाले का ढेर लगा कर उसे ऐसा सजा दिया गया है कि जैसे अटाले की दुकान लगी हो। यह स्थिति राजकुमार मिल रेलवे ओवरब्रिज के नीचे सड़क के दोनों ओर बनी हुई है। इसके साथ ही नेमावर रोड के ट्रैचिंग ग्राउंड पर भी अटाले का ढेर लग गया है।**

नगर निगम के द्वारा मुहिम चलाकर शहर के बाजारों में व्यापारियों के द्वारा अपनी दुकान के बाहर रखे गए सामान को उठाकर जप्त किया जाता है। इसके साथ ही यातायात में बाधा पैदा करते हुए लगाई गई गुमटी और ठेले को भी निगम की टीम जप्त कर लेती है। इस जप्त किए गए सारे सामान को वैसे तो

निगम के द्वारा नेमावर रोड के ट्रैचिंग ग्राउंड पर भेजा जाता है। वहां पर इस सामान का ढेर लगा दिया जाता है। अब वहां पर यह ढेर इतना बड़ा हो गया है कि और सामान रखने के लिए जगह ही नहीं बची है।

ऐसी स्थिति में नगर निगम के द्वारा अब जप्त किया जा रहा सामान राजकुमार मिल रेलवे ओवरब्रिज के नीचे सड़क के किनारे पर पटका जा रहा है। देखते ही देखते वहां पर भी इस सामान का इतना ढेर लग गया है की यदि पुल के ऊपर से नजर डाली जाए तो ऐसा लगता है जैसे सड़क के दोनों तरफ अटाले की दुकान लगी हुई हो। अभी सामान जप्त करने का सिलसिला भी चल रहा है। इसके साथ ही पुल के नीचे के स्थान पर सामान पटकने का सिलसिला भी चल रहा है। यह स्थिति देश के सबसे स्वच्छ शहर की प्रतिष्ठा पर पानी फेरती है।

## टेंडर करके बेच देंगे

इस बारे में पूछे जाने पर नगर निगम के अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि अभी तो दोनों स्थानों पर इस तरह के अटाले का ढेर हो गया है। इसे नगर निगम के द्वारा हमेशा बेचा जाता है। इसके लिए टेंडर किया जाना है। अब जल्द ही टेंडर के माध्यम से अटाला खरीदने वालों से भाव बुलवाए जाएंगे। और जो ज्यादा भाव देने की पहल करेगा उसे इस अटाले को बेच दिया जाएगा।

## टेंडर बनाने के निर्देश

प्रभारी अपर आयुक्त लता अग्रवाल के द्वारा इस अटाले को बेचने के लिए टेंडर बनाने के निर्देश दिए गए हैं। उनका कहना है कि इसी महीने में अटाले को बेचने की प्रक्रिया को शुरू कर दिया जाएगा।

## संपादकीय...

# झकझोर देती हैं ऐसी घटनाएं

सोनम रघुवंशी और राजा रघुवंशी के दाम्पत्य जीवन में आए मोड़ और घटित हुई घटना ने सबको झकझोर दिया है। इंदौर की यह शादी और फिर नव युगल का गायब होना पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया था। मध्य प्रदेश सरकार ने इस घटना की सीबीआई से जांच करने की अनुशंसा कर दी थी। कांग्रेस और भाजपा दोनों दलों के कई बड़े नेता यह मांग कर चुके थे कि इस मामले को सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए। केंद्र सरकार ने इस मांग को नहीं माना। जनता के बीच फैले हुए आक्रोश को देखते हुए केंद्र सरकार ने इस मांग को नामंजुर करने की घोषणा भी नहीं की। इसी बीच मेघालय की पुलिस ने पूरे मामले का भांडा फोड़ दिया। इस मामले का खुलासा होने के बाद तो जो कहानी सामने आई उसने पूरे शहर के नागरिकों को अंदर तक हिला दिया। यह कहानी एक ऐसी कहानी थी जिसके कोई कल्पना नहीं कर सकता। नई पीढ़ी के दिलों दिमाग पर चढ़ी हुई पाश्चात्य संस्कृति और रिलेशनशिप के कारण ऐसे हालात बन रहे हैं। अब समाज को इस बारे में विचार करना चाहिए कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति को कैसे रोका जा सकता है।

■ गौरव गुप्ता

# मकान मालिक और किराएदार में संविदात्मक रिश्ता है सुप्रीम कोर्ट

**भारत में किराए के मकान को लेकर अक्सर विवाद होते रहते हैं। कभी मकान मालिक मनमर्जी से किराया बढ़ा देता है, तो कभी किराएदार मकान खाली करने से मना कर देता है। इसी तरह की समस्याओं का निदान करने को और दोनों पक्षों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। इस फैसले से अब न सिर्फ कानून स्पष्ट हुआ है, बल्कि लोगों को भी कानूनी सहूलियतें और सुरक्षा मिलने का रास्ता खुल गया है।**

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि किराएदारी एक संविदात्मक (contractual) रिश्ता है, जिसमें किराएदार को मकान के उपयोग एवं उपभोग का अधिकार तो है, लेकिन उसे बेवजह या मनमर्जी से मालिकाना हक नहीं मिल सकता। साथ ही, मकान मालिक को भी किराएदार को बिना उचित कारण के बेदखल करने का अधिकार नहीं है।

» सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि अब हर किरायेदारी के लिए रजिस्टर्ड एग्रीमेंट अनिवार्य होगा। यानी बिना किरायेदारी अनुबंध के न तो किराएदार को सुरक्षा मिलेगी और न ही मकान मालिक को कानूनी संरक्षण।

» सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देशों में किराएदारों के कई महत्वपूर्ण अधिकारों को मान्यता दी है। ये रहे कुछ मुख्य अधिकार-

» शांतिपूर्ण निवास का अधिकार- अगर आप कानूनी रूप से किराए पर रह रहे हैं तो आपको कोई जबरदस्ती मकान से नहीं निकाल सकता।

» मरम्मत की मांग करने का हक- अगर मकान में कुछ खराबी है, तो किराएदार इसकी मरम्मत की मांग कर सकता है।

» नवीनीकरण का अधिकार- अगर अनुबंध में शर्तें तय की गई हैं, तो किराएदार को नवीनीकरण का अधिकार मिल सकता है।

**संजय मेहरा**
**हाईकोर्ट एडवोकेट**
98270 74132

» कानूनी सुरक्षा- बिना कारण या बिना नोटिस के बेदखली अवैध मानी जाएगी।

» मकान मालिकों के अधिकार भी हुए स्पष्ट -

» कोर्ट ने सिर्फ किराएदारों को ही नहीं, बल्कि मकान मालिकों को भी अधिकार दिए।

» मकान मालिक किराया समय पर नहीं मिलने पर कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं।

» किराएदार अगर नुकसान करता है, तो हर्जाना वसूलने का हक होगा।

» संपत्ति को बेचने या लीज पर देने का अधिकार पूरी तरह सुरक्षित रहेगा।

» यह निर्णय केवल एक आदेश नहीं, बल्कि किराएदारी कानून में एक बड़े बदलाव की शुरुआत मानी जा रही रही है।

» किराए की बढ़ोतरी के लिए पूर्व सूचना अनिवार्य होगी।

» किरायेदार को बिना लिखित समझौते के अधिकार नहीं मिलेंगे।

» किराएदारी अवधि के दौरान किराएदार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

» किरायेदारी समाप्त होने पर मकान खाली करना होगा, जब तक नया एग्रीमेंट न हो।

» कानूनी सहायता और विवाद समाधान में सुधार

» सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि भविष्य में किराए से जुड़े विवादों को तेजी से सुलझाया जाएगा। इसके लिए-

» मध्यस्थता (mediation) का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा।

» फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई हो सकेगी।

» पार्टियों को समझौते के लिए कानूनी सहायता मिलेगी।

» सरकार कर सकती है नई नीति लागू

» इस निर्णय के बाद सरकार भी किराएदारी कानून में बदलाव लाने की तैयारी में है। राज्यों को भी यह सलाह दी गई है कि वे किरायेदारी से जुड़े अपने पुराने कानूनों की समीक्षा करें और उन्हें समय के अनुसार अपडेट करें।मकान मालिक और किराएदार को क्या कानूनी प्रावधान के अनुसार कार्रवाई करना चाहिए वह निम्न लिखित और रजिस्टर्ड किरायेदारी एग्रीमेंट जरूर बनवाएं।

» किराया समय पर लें या दें, और रसीद लें।

» किसी भी विवाद की स्थिति में कानूनी सलाह लें, न कि आपस में लड़ाई करें।

» किरायेदारी खत्म करना है तो नोटिस की शर्तें पूरी करें।

» मरम्मत या सुविधाओं की जरूरत हो तो लिखित में सूचित करें।

» सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय किराएदार और मकान मालिक दोनों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश है। इससे न सिर्फ विवाद कम होंगे, बल्कि लोगों में जागरूकता भी बढ़ेगी। अगर आप किराए पर रह रहे हैं या मकान किराए पर दे रहे हैं, तो अब वक्त है कि आप भी कानूनी रूप से सतर्क हो जाएं और नए नियमों के अनुसार अपने दस्तावेज अपडेट कर लें।

### मध्य प्रदेश में वर्तमान में लागू कानून

» मध्य प्रदेश में वर्तमान में किराया से संबंधित मुख्य कानून मध्य प्रदेश आवास नियंत्रण अधिनियम, 1961 है। यह कानून मकान मालिकों और किरायेदारों के बीच संबंधों को नियंत्रित करता है, जिसमें किराया निर्धारण, बेदखली प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं।

» मध्य प्रदेश आवास नियंत्रण अधिनियम, 1961-

यह कानून किराए के उचित निर्धारण, विवादों के निपटारे और मकान मालिकों और किरायेदारों के अधिकारों की सुरक्षा में मदद करता है।

### किराया नियंत्रण प्राधिकारी-

यह कानून राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किराया नियंत्रण प्राधिकारी (RCA) को इस अधिनियम के कार्यान्वयन और विवादों के निपटारे का अधिकार देता है।

### मकान मालिक और किरायेदार के अधिकार

यह अधिनियम दोनों पक्षों के अधिकारों और जिम्मेदारियों को परिभाषित करता है, जिससे विवादों को कम किया जा सके।

### नया किराएदारी एक्ट-

**मध्य प्रदेश में एक नया किराएदारी एक्ट 2024 बनाने की चर्चा है, जो 14 साल पुराने कानून को बदल देगा। इस नए एक्ट के तहत मकान मालिक और किरायेदार के अधिकारों को और अधिक स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जा सकता है और विवादों को सुलझाने के लिए एक बेहतर तंत्र स्थापित किया जा सकता है।**

# अदरक जड़ी-बूटी वजन घटा देगी, जिसे हीरोइनें भी करती हैं इस्तेमाल

**अगर आप वजन घटाने के सैकड़ों उपाय आजमाकर थक गए हैं और रिजल्ट नहीं मिल रहा तो डेली रूटीन में अदरक पानी को जरूर शामिल कर लीजिए, क्योंकि यह बैली फैट के साथ ओवरऑल बॉडी फैट घटाने में मददगार है।**

आज के समय में वजन घटाने के लिए इन्फ्यूज्ड वाटर या डिटॉक्स वाटर का काफी ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है। यह शरीर से सारी गंदगी बाहर निकालने के साथ ही मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने और एक्स्ट्रा चर्बी को कम करने में मदद करते हैं। ये एक बढ़िया प्राकृतिक और असरदार उपाय माना जाता है फिट रहने के लिए।

आज हम आपको एक ऐसे ही डिटॉक्स वाटर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके शरीर की अतिरिक्त चर्बी और बाहर निकले पेट को अंदर करने में मदद करेगा। हम बात कर रहे हैं अदरक के पानी की। अदरक न केवल एक मसाला है बल्कि औषधीय गुणों से भरपूर जड़ी-बूटी भी है, जिसका इस्तेमाल कई बीमारियों के इलाज और फिट रहने के लिए प्राचीन काल से किया जा रहा है। आप अपने सुबह के रूटीन में इस अदरक वाले पानी को शामिल करके कई सारे स्वास्थ्य लाभ पा सकते हैं। डॉक्टर आरती मेहरा से जानते हैं यह फैट को घटाने के लिए क्यों मददगार है और इसका सेवन करने का सबसे बढ़िया समय क्या है।

डॉ. आरती मेहरा
आहार एवं पोषण विशेषज्ञ
7999788456

### वैज्ञानिकों ने भी माना असरदार

स्टडीज में भी सामने आया है कि यह आपको अधिक समय तक भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे आप अधिक खाने से बचते हैं और वजन घटता है। अदरक की खुराक से शरीर के वजन और कमर से कूल्हे के अनुपात में काफी कमी आती है।

### अदरक के पानी के फायदे

अदरक के पानी से घटता है बैली फैट, अदरक का पानी शरीर का वजन, बॉडी मास इंडेक्स, वसा प्रतिशत घटाने के साथ-साथ बैली फैट घटाने में भी कारगर है। यह आपके मेटाबॉलिज्म को तेज करता है। भूख को कम करता है और पाचन को बढ़ावा देकर वजन घटाने में सहायता कर सकता है। इसके अलावा अगर पेट में ब्लोटिंग है तो यह उससे भी राहत दिलाता है।

### शरीर को करता है डिटॉक्स

अक्सर लोग अदरक के पानी को इसके शरीर की नेचुरल डिटॉक्सिफिकेशन प्रोसेस को बढ़ावा देने की क्षमता के कारण इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। यह विशेषकर लिवर और कोलन से अपशिष्ट और विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद कर सकता है।

### पाचन में मदद

अदरक पाचन एंजाइमों को बढ़ाकर पाचन क्रिया को सुधारता है, जिससे पेट फूलना, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

### सर्दी-खांसी में राहत

अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-वायरल गुण होते हैं जो सर्दी और खांसी के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं।

### रक्त संचार को बेहतर बनाता है

अदरक रक्त संचार को बेहतर बनाता है, जिससे शरीर को ऑक्सीजन और पोषक तत्व आसानी से मिल पाते हैं।

### जोड़ों के दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

### वजन घटाने में सहायक

अदरक मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और भूख को कम करने में मदद करता है, जो वजन घटाने में सहायक हो सकता है।

### इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है

अदरक एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करते हैं।

### मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है

अदरक तनाव और चिंता को कम करने में मदद कर सकता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है।

### डायबिटीज को नियंत्रित करता है

अदरक रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में

मदद कर सकता है, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद है।

### कैंसर से बचाव

अदरक में कैंसर से बचाव के गुण भी पाए जाते हैं। अदरक को विभिन्न रूपों में खाया जा सकता है, जैसे कि चाय, जूस, या खाने में मसाला के रूप में। आप अदरक का पानी भी पी सकते हैं।

### अदरक के कुछ संभावित नुकसान

अदरक के अधिक सेवन से कुछ लोगों में पेट दर्द, गैस या एसिडिटी हो सकती है।
यदि आपको किसी दवा का सेवन करना है या कोई अन्य स्वास्थ्य समस्या है, तो अदरक का सेवन करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लें।

### अदरक का पानी पीने का सही समय

आयुर्वेदिक डॉक्टर दीक्षा भावसार सावलिया के मुताबिक, अदरक पानी का सेवन आप दिनभर कर सकते हैं। उन्होंने अपने एक पोस्ट में बताया कि पूरे दिन अदरक युक्त पानी पीने से सूजन कम होती है और मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है जिससे वसा हानि होती है।

### अदरक का पानी बनाने का तरीका

अदरक का पानी आसानी से घर पर बनाया जा सकता है और यह इसके संभावित स्वास्थ्य लाभों को पाने का यह सबसे सरल और सुविधाजनक तरीका भी है। इसे बनाने के लिए 1 लीटर पानी लें, इसमें केवल आधा चम्मच सोंठ (सूखा अदरक) डालें और इसे तब तक उबालें जब तक यह 750 मिलीलीटर न रह जाए।

# मुकेश अंबानी ने आईसीटी को दान किए 151 करोड़

मुकेश अंबानी ने मुंबई में इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यहीं से उन्होंने 1970 के दशक में स्नातक किया था। उन्होंने प्रोफेसर एमएम शर्मा की जीवनी डिवाइन साइंटिस्ट के प्रकाशन के अवसर पर आयोजित एक समारोह में भाग लिया।
अंबानी ने इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, मुंबई को 151 करोड़ रुपये का बिना शर्त अनुदान देने की घोषणा की। यहीं से उन्होंने 1970 के दशक में स्नातक की पढ़ाई की थी। आईसीटी के वरिष्ठ और सम्मानित प्रोफेसर एमएम शर्मा की जीवनी डिवाइन साइंटिस्ट के विमोचन समारोह में मुकेश अंबानी ने कहा कि

प्रोफेसर शर्मा और जेबी जोशी मेरे प्रोफेसर थे। अन्य संस्कृतियों में गुरु केवल शिक्षक होता है, लेकिन भारतीय संस्कृति में गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही महेश्वर हैं...
अंबानी ने कहा, 70 के दशक के मध्य में जब मैं एक छात्र के रूप में यहां आया था, तब यह इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी नहीं था, यह यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी था। मैंने जानबूझकर IIT बॉम्बे की जगह UDCT को चुना था। आज भी मुझे प्रोफेसर शर्मा का पहला व्याख्यान याद है और उन्हें सुनने के बाद मुझे विश्वास हो गया कि मैंने सही चुनाव किया है।

# ट्रम्प के कारण मस्क को हुआ 35 लाख करोड़ का नुकसान

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

टेस्ला कंपनी के बाजार पूंजीकरण में 29 प्रतिशत की कमी आई है और इस साल लार्ज कैप शेयरों में सबसे खराब प्रदर्शन टेस्ला का ही रहा। साल 2025 की शुरुआत में टेस्ला पूरी दुनिया में आठवीं सबसे बड़ी कंपनी थी, वो अब 10वें स्थान पर आ गई है।

एक वक्त ट्रंप के सबसे बड़े समर्थक रहे एलन मस्क, अब उनके सबसे बड़े आलोचकों में से एक हो गए हैं। मस्क सार्वजनिक तौर पर ट्रंप की आलोचना कर रहे हैं और ट्रंप ने भी सार्वजनिक तौर पर पलटवार किया है। ट्रंप ने टेस्ला और स्पेसएक्स को मिलने वाले सरकारी ठेकों को बंद करने की धमकी दी है। जिससे मस्क को भारी नुकसान की आशंका है। साथ ही ट्रंप से भिड़ने के बाद मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयरों में भारी गिरावट हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टेस्ला के शेयरों में गिरावट से जनवरी से अब तक, एलन मस्क को करीब 380 अरब डॉलर (करीब 32 लाख करोड़ रुपये) का नुकसान उठाना पड़ा है।

टेस्ला के बाजार पूंजीकरण में 29 प्रतिशत की कमी आई है और इस साल लार्ज कैप शेयरों में सबसे खराब प्रदर्शन टेस्ला का ही रहा। साल 2025 की शुरुआत में टेस्ला पूरी दुनिया में आठवीं सबसे बड़ी कंपनी थी, वो अब 10वें स्थान पर आ गई है। ट्रंप प्रशासन में सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के तौर पर मस्क ने बड़ी संख्या में संघीय सरकार के खर्चों में कटौती की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों को नौकरी से निकाला गया। इसका विरोध भी मस्क को झेलना पड़ा और अमेरिका में लोगों ने टेस्ला और टेस्ला के शोरूम में तोड़फोड़ की। इससे भी टेस्ला को काफी नुकसान उठाना पड़ा।

### एक दिन में 14 प्रतिशत गिरे टेस्ला के शेयर

ट्रंप के साथ तनातनी के बाद 6 मई को टेस्ला के शेयरों में 14 प्रतिशत की गिरावट आई। जिससे कंपनी को एक दिन में 150 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। यह एक दिन में किसी भी कंपनी को हुए सबसे बड़े नुकसान में से एक है। अभी भी मस्क की मुश्किलें खत्म नहीं हुई हैं क्योंकि ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में मस्क की कंपनियों टेस्ला और स्पेसएक्स के सरकारी कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने की धमकी दी है।

### तनातनी की वजह

ट्रंप और मस्क के बीच तनातनी की वजह ट्रंप प्रशासन द्वारा लाए जा रहे टैक्स बिल को लेकर है। मस्क इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं। जबकि ट्रंप का कहना है कि इस बिल का मकसद टैक्स कटौती, रक्षा बजट को बढ़ाना और सीमा सुरक्षा को मजबूत करना है। हालांकि इस बिल में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की बाध्यता को खत्म कर दिया गया है। साथ ही ईवी खरीदने पर मिलने वाली 7500 डॉलर की छूट को भी खत्म कर दिया गया है। माना जा रहा है कि मस्क को इन प्रावधानों से आपत्ति हो सकती है।

# सांझे घर में रहने से बहू को वंचित नहीं कर सकते

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

भारतीय समाज में विवाहित महिलाओं के अधिकारों को लेकर हमेशा से विवाद रहा है। खासकर ससुराल में बहू के अधिकारों की बात आती है तो स्थिति और भी जटिल हो जाती है। इसी संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है जो महिला अधिकारों के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। इस फैसले में अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि ससुराल वाले बहू को सांझे घर में रहने के अधिकार से वंचित नहीं कर सकते हैं।

कर्नाटक हाईकोर्ट के एक विवादास्पद फैसले के खिलाफ एक महिला ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। हाईकोर्ट ने उस महिला को ससुराल का सांझा घर खाली करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट का तर्क था कि बहू के आश्रय की जिम्मेदारी उसके पति की है न कि सास ससुर की। इस मामले में सास ससुर ने वरिष्ठ नागरिक कानून 2007 के तहत अदालत से गुहार लगाई थी कि उनकी पुत्रवधू को बेंगलुरु स्थित उनके घर से बाहर निकाला जाए।

### सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट रुख

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के फैसले को पूरी तरह से खारिज कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि वरिष्ठ नागरिक कानून का उपयोग करके किसी भी बहू को ससुराल के सांझे घर से बाहर नहीं निकाला जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह कानून वरिष्ठ नागरिकों को बेसहारा होने से बचाने के लिए बनाया गया है लेकिन इसका दुरुपयोग करके किसी महिला के निवास अधिकार को छीना नहीं जा सकता।

### सांझे घर में निवास का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह स्पष्ट किया कि बहू को ससुराल के सांझे घर में रहने का पूरा अधिकार है। यह अधिकार किसी भी परिस्थिति में छीना नहीं जा सकता चाहे वह वरिष्ठ नागरिक कानून के नाम पर हो या किसी और आधार पर हो। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं के निवास अधिकार को संरक्षित रखना समाज की जिम्मेदारी है।

### विभिन्न संपत्तियों में अधिकार

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के साथ ही यह समझना भी जरूरी है कि विभिन्न प्रकार की संपत्तियों में बहू के अधिकार कैसे निर्धारित होते हैं। सास ससुर की स्वअर्जित संपत्ति में बहू सीधे तौर पर अधिकार का दावा नहीं कर सकती। इस मामले में संपत्ति के मालिक की इच्छा सर्वोपरि होती है। हालांकि सांझी संपत्ति का मामला बिल्कुल अलग है जहां बहू के अधिकार संरक्षित हैं।

### संपत्ति में मिला है अधिकार

ससुराल में पति की पैतृक संपत्ति है तो इसमें बहू का अधिकार दो तरीकों से स्थापित हो सकता है। पहला यह कि पति अपना हिस्सा पत्नी के नाम ट्रांसफर कर दे। दूसरा यह कि पति के निधन के बाद बहू को वह संपत्ति विरासत में मिले। लेकिन सीधे तौर पर ससुराल की संपत्ति में बहू अपना हिस्सा नहीं मांग सकती। यह फैसला महिला अधिकारों की दिशा में एक सकारात्मक कदम है और भविष्य में इसी तरह के मामलों के लिए एक मिसाल स्थापित करता है।

## इस सप्ताह आपके सितारे
11 जून 2025 से 17 जून 2025

# किसी के सहयोग से मिलेगी खुशी तो स्वास्थ्य के लिए है चेतावनी

**मेष -** किसी व्यक्ति के सहयोग एवं अच्छे व्यवहार से मन को खुशी मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। पिता को अल्प कष्ट संभव है। संतान पक्ष पीड़ित करेगा। व्यय होगा। कारोबार ठीक ठीक रहेगा। जीवनसाथी का शारीरिक स्वास्थ्य एवं व्यवहार अच्छा रहेगा।

**वृषभ -** अपने शारीरिक स्वास्थ्य पर इस सप्ताह विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कारोबार ठीक चलेगा। आवक भी अच्छी होगी किंतु व्यय भी अधिक होंगे। संतान पक्ष से कुछ कष्ट संभव है। प्रेम संबंध अच्छे रहेंगे। वाहन सुख उत्तम है। सप्ताह अच्छा है।

**मिथुन -** इस सप्ताह प्रेम संबंधों के मामले में सजग रहें अन्यथा कष्ट होगा। मानसिक तनाव ज्यादा रहेंगे। संतान पक्ष धनात्मक है। कारोबार मध्यम रहेगा। आय कम किंतु व्यय ज्यादा होंगे। माता को कष्ट संभव है। विवादों से बचें। वाहन सावधानी पूर्वक चलावें।

**कर्क -** इस सप्ताह अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। कारोबार की दृष्टि से सप्ताह श्रेष्ठ है। आय भी अच्छी होगी। प्रेम संबंध अच्छे रहेंगे। घर में कोई मंगल कार्य होगा। वाहन सावधानी से चलाएं। भूमि का लेनदेन न करें। शेयर, सट्टा बाजी में सतर्क रहें।

**सिंह -** कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह श्रेष्ठ है। आवक में वृद्धि होगी। कहीं दिनों से लंबित कार्य होगा। व्यय कम होने से बचत होगी। संतान पक्ष से कुछ कष्ट हो सकता है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य और व्यवहार मध्यम रहेगा। रोमांस के लिए यह समय मध्यम। माता को कष्ट होगा।

**कन्या -** स्वयं के शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह सप्ताह ठीक नहीं है। अतः स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कार्य क्षेत्र में धनात्मकता दिखाई देगी। संतान संबंधी चिंता दूर होगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य एवं सहयोग उत्तम रहेगा। प्रेम संबंध फले-फूलेंगे। वाहन सावधानी पूर्वक चलावें।

**इतुला -** मान प्रतिष्ठा एवं कारोबार की दृष्टि से यह समय उत्तम है। अचानक किसी कार्य के संपन्न होने के योग हैं। संतान पक्ष कुछ कष्ट दे सकता है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रेम संबंध मध्यम रहेंगे। वाहन सुख उत्तम है। कोई विवाद हल होगा।

**वृश्चिक -** शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह सप्ताह अनुकूल है। मानसिक तनाव कम होंगे। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। जीवनसाथी को कष्ट हो सकता है। प्रेम संबंधों में खटास आ सकती है। संतान पक्ष धनात्मक रहेगा। आय अच्छी होगी। कारोबार धनात्मक रहेगा।

**धनु -** इस सप्ताह आप अपने शारीरिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। बेवजह के विवादों से बचें। भूमि संबंधी कार्य कष्ट दे सकते हैं। संतान पक्ष अनुकूल रहेगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य एवं सहयोग अच्छा रहेगा। कोई बहुप्रतीक्षित कार्य होगा। कारोबार की दृष्टि से सप्ताह धनात्मक है।

**मकर -** इस सप्ताह माता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी पर आंख मींच कर भरोसा न करें। संतान पक्ष कुछ परेशान कर सकता है किंतु जीवनसाथी का स्वास्थ्य एवं सहयोग अच्छा रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा आवक अच्छी होगी। कोई रुका हुआ पैसा प्राप्त होगा।

**कुंभ -** यात्रा के योग बन सकते हैं किंतु उसे टालें। नौकरी अथवा व्यापार में कुछ ऋणात्मकता दिखाई देगी। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। संतान पक्ष की तरफ से पर्याप्त सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंध फले-फूलेंगे। आवक मध्यम।

**मीन -** कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह श्रेष्ठ है। किसी रुके हुए कार्य के होने से खुशी होगी। जीवनसाथी का व्यवहार अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों में सुधार होगा। संतान पक्ष आंशिक रूप से पीड़ित कर सकता है। बेवजह के विवादों में ना पड़े। वाहन सुख उत्तम।

श्रीमान उमेश पांडे
ज्योतिष एवं वास्तुविद
महात्मा गांधी मार्ग, मल्हारगंज, इंदौर (म.प्र.)
मो. 8602912030

### इस सप्ताह की ग्रह स्थितियां

■ **सूर्य** – सूर्य मेष ■ **चंद्र** –वृश्चिक से मकर ■ **मंगल** – कर्क ■ **बुध**–मीन ■ **गुरु** – वृषभ ■ **शुक्र** – मीन ■ **शनि** – मीन ■ **राहु**– मीन ■ **केतु**–कन्या

# भारत को मिलेगा बहुत जोरदार हथियार

भारत अब आसमान से निगरानी करने की ताकत को और मजबूत करने जा रहा है। खबर है कि भारतीय वायुसेना को जल्द ही I-STAR नाम के एडवांस्ड जासूसी विमान मिलेंगे। ये विमान दुश्मन की हर हरकत पर नजर रखेंगे और जरूरत पड़ने पर टारगेट को ध्वस्त करने की क्षमता भी रखेंगे। इस कदम को चीन और पाकिस्तान से लगातार बढ़ते खतरे के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है।

पिछले कुछ महीनों में भारत और पाकिस्तान के बीच वायुसीमा में तनाव काफी बढ़ा है। मई में पाकिस्तानी एयरफोर्स ने चीन के फाइटर जेट्स की मदद से चुनौती पेश की थी। इस घटनाक्रम ने भारत को चेताया कि उसे अपनी एयर रीकॉन और जासूसी क्षमताओं को और मज़बूत करना होगा। दूसरी तरफ, चीन से भी सीमा विवाद लगातार जारी है। ऐसे में दोनों पड़ोसी देशों की नजदीकी और मिलिट्री साझेदारी भारत के लिए दोहरा खतरा बनती जा रही है।

भारत तीन जासूसी विमान खरीदने की योजना बना रहा है। इसके लिए अमेरिकी कंपनी बोइंग और कनाडा की बॉम्बार्डियर से बातचीत हो रही है। इस डील को डिफेंस मिनिस्ट्री की मंजूरी मिलनी बाकी है। ये I-STAR प्रोजेक्ट करीब 10,000 करोड़ रुपये का है। इसमें खास बात ये है कि इसके सेंसर्स भारत में ही बने होंगे, जिन्हें विदेशी विमानों में लगाया जाएगा। यानी देसी दिमाग और विदेशी ताकत का कॉम्बिनेशन। इन सेंसर्स को DRDO के तहत आने वाली CABS (Centre for Airborne Systems) ने तैयार किया है। ये सिस्टम दुश्मन के रडार, मोबाइल एयर डिफेंस सिस्टम और कमांड पोस्ट को दूर से ही पकड़ने में सक्षम हैं।

# 45 साल से ज्यादा उम्र वालों को कांग्रेस नहीं बनाएगी अध्यक्ष

**प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा है कि जिला अध्यक्षों की नियुक्ति आम सहमति से की जाएगी, लेकिन 45 वर्ष से अधिक के नेताओं को अध्यक्ष नहीं बनाया जाएगा।**

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत नए शहर अध्यक्ष के लिए रायशुमारी की जा रही है। अमृतसर सांसद गुरमीत सिंह औजला ने तीन दिन शहर में रहकर इसके लिए मंथन किया। इस दौरान कई नाम सामने आए, लेकिन प्रदेश प्रभारी के एक बयान से कई दावेदारों के माथे पर चिंता की लकीर है।

एक दिन पहले प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया विभाग की वर्चुअली मीटिंग ली थी। इसमें चौधरी ने कहा था कि जिला अध्यक्षों की नियुक्ति आम सहमति से की जाएगी, लेकिन 45 वर्ष से अधिक के नेताओं को अध्यक्ष नहीं बनाया जाएगा।

## कई नेताओं की उम्र 45 वर्ष से अधिक

इंदौर में दावेदारी करने वाले कई नेता 45 वर्ष से अधिक की उम्र के हैं। ऐसे में अरविंद बागड़ी, अश्विन जोशी जैसे नेताओं की दावेदारी खटाई में पड़ सकती है। हालांकि चौधरी ने विशेष परिस्थितियों में रियायत देने की बात भी कही है।

## सारे दावेदार होंगे दौड़ के बाहर

कांग्रेस के द्वारा नव सृजन अभियान के तहत जो शहर और जिला अध्यक्ष की नियुक्ति की जाना है उसके लिए एक नए क्राइटेरिया की घोषणा कल कर दी गई। इस घोषणा से इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष बनने की दौड़ में शामिल करीब सभी नेता दौड़ से बाहर हो गए हैं। इस क्राइटेरिया ने कांग्रेस के सभी नेताओं को चौंका दिया है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा नव सृजन अभियान के लिए नियुक्त किए गए पर्यवेक्षकों की बैठक भोपाल में ऑनलाइन आयोजित की गई। इस बैठक को कांग्रेस के मध्य प्रदेश के प्रभारी हरीश चौधरी ने संबोधित किया। इस बैठक में उनके द्वारा केंद्रीय पर्यवेक्षकों को यह जानकारी दी गई की नव सृजन अभियान में जो नए शहर और जिला कांग्रेस के अध्यक्ष नियुक्त किया जाना है उसमें 45 वर्ष से कम उम्र के व्यक्तियों के नाम की ही अनुशंसा करें। चौधरी के द्वारा दी गई इस जानकारी से कांग्रेस के नेता चौंक गए हैं।

पिछले दिनों इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षक के द्वारा रायशुमारी का कार्य किया गया। इसमें जिन नेताओं के नाम अध्यक्ष पद के लिए आए हैं उनमें से कोई भी 45 साल से कम उम्र का नहीं है। खास तौर पर प्रमुख दावेदार के रूप में उभर कर सामने आए राजू भदोरिया, दीपू यादव, देवेंद्र सिंह यादव, सुरजीत सिंह चड्ढा और अमन बजाज में से एक भी ऐसा नहीं है जिसकी उम्र 45 वर्ष से कम हो। अब कांग्रेस के द्वारा यह नया क्राइटेरिया घोषित किए जाने से कांग्रेस के नेता ही चौंक गए हैं। इन नेताओं का कहना है कि इस तरह के क्राइटेरिया से तो संगठन को पुनर्जीवित करने के लिए नेतृत्व नहीं मिल सकेगा।

## बदल जाएगा प्रावधान

कांग्रेस के नेताओं को यह भी उम्मीद है कि जब अधिकांश शहर और जिला इकाई में 45 वर्ष से कम उम्र का व्यक्ति अध्यक्ष पद के लायक नहीं मिलेगा तो फिर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा इस प्रावधान को बदल दिया जाएगा। वैसे भी कांग्रेस के नेता इस बात को लेकर आश्वस्त है कि इस तरह के किसी प्रावधान के कारण किसी व्यक्ति को अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर नहीं किया जा सकेगा।

# ऐसे बना रहे हैं सिटी बस स्टॉप जिससे बढ़ेगी दुर्घटना...

## रेस कोर्स रोड और दवा बाजार पर बन गए नई स्टाइल के बस स्टॉप

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

**इंदौर। सिटी बस कंपनी के द्वारा ऐसे नए बस स्टाप बनाए जा रहे हैं जिससे वाहन दुर्घटना में बढ़ोतरी होगी। बस कंपनी के द्वारा रेस कोर्स रोड और दवा बाजार के सामने वाले क्षेत्र में नई डिजाइन के बस स्टॉप बना दिए गए हैं।**

सारे शहर में सिटी बस कंपनी के द्वारा 600 नए बस स्टॉप बनाए जाना है। इसमें से पहले चरण में 200 बस स्टॉप बनाने का ठेका कंपनी के द्वारा दिया जा चुका है। यह बस स्टॉप प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के तहत बनाए जा रहे हैं। इसमें बस स्टॉप बनाने वाली एजेंसी को बस स्टॉप पर 20 साल तक विज्ञापन के प्रदर्शन का अधिकार मिलेगा। नई डिजाइन के जो बस स्टॉप बनाने का काम शुरू हुआ है उसमें सबसे पहले रेस कोर्स रोड पर यशवंत क्लब की तरफ मुड़ने वाले स्थान पर बस स्टॉप बनकर तैयार हो गया है। ऐसा ही नया बस स्टॉप दवा बाजार के सामने भी बन गया है। यह दोनों बस स्टॉप फुटपाथ पर बनाए गए हैं लेकिन फुटपाथ की लंबाई की तुलना में बस स्टॉप की लंबाई करीब डेढ़ फीट ज्यादा है। ऐसे में इस बस स्टॉप के सामने से निकलने में वाहन चालक दुर्घटना के शिकार होंगे।

इस स्थिति को नगर निगम की महापौर परिषद के सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया ने उजागर किया है। पहले जब इसी तरह से गलत यूनिपोल लगाए जा रहे थे तब उन्होंने निगम का जेसीबी ले जाकर यूनिपोल को तोड़ दिया था। इस बारे में पूछे जाने पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा है कि यदि फुटपाथ की लंबाई से ज्यादा लंबाई लेकर बस स्टॉप का निर्माण किया जा रहा है तो ऐसे निर्माण की समीक्षा करते हुए उसमें आवश्यक सुधार कराया जाएगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह बस स्टॉप दुर्घटना का कारण नहीं बने।

# 100 करोड़ में आईडीए बनाएगा 3 बहुमंजिला इमारतें

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर विकास प्राधिकरण अपनी योजना 136 में एक लाख स्क्वेयर फीट से अधिक के बड़े भूखंड सीएमआर-4 पर अत्याधुनिक आवासीय सवाणिज्यिक प्रोजेक्ट ला रहा है, जिसमें तीन लग्जरी हाईराइज टॉवरों का निर्माण किया जाएगा और तीन, चार तथा पांच बेडरूम के बड़े फ्लैट्स निर्मित होंगे। लगभग 100 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट को बोर्ड ने मंजूरी दी है। प्राधिकरण अभी रेरा सहित अन्य आवश्यक मंजूरी लेने के साथ ही इन फ्लेटों की बुकिंग भी शुरू करेगा, ताकि उसे शुरुआत में ही प्रोजेक्ट में खर्च होने वाली राशि का एक बड़ा हिस्सा प्राप्त हो सके। पूर्व में प्राधिकरण योजना 140 में आनंद वन के नाम से दो प्रोजेक्ट इसी तरह अमल में ला चुका है।

प्राधिकरण पूर्व में भी हाईराइज बिल्डिंगें बना चुका है। हालांकि उसकी कुछ बिल्डिंगें असफल रहीं, जिनमें 155 में बनाए गए फ्लैट अनबिके रह गए, तो दूसरी तरफ अन्य बिल्डिंगों के फ्लैट-दुकान अवश्य बिक गए, वहीं अभी तक के प्रोजेक्टों में योजना 140 के आनंद वन के दोनों प्रोजेक्ट सफल साबित हुए हैं, जिसमें प्राधिकरण ने पहली बार महंगे फ्लैटों का विक्रय किया। शहर में चूंकि निजी बिल्डरों द्वारा भी लग्जरी बिल्डिंगें बनाई जा रही हैं, जिनमें 4-5 करोड़ रुपए से लेकर 10-12 करोड़ रुपए तक के लग्जरी फ्लैट बेचे जा रहे हैं। उसी तर्ज पर अब प्राधिकरण ने अपनी योजना 136 में हाईराइज बिल्डिंगों का प्रोजेक्ट तैयार करवाया है और हाईराइज कमेटी से भी इसकी मंजूरी मिल गई और ठेकेदार फर्म का भी चयन कर लिया है। इसमें तीन टॉवरों का निर्माण किया जाएगा, जिसमें 3, 4 और 5 बैडरूम के अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त फ्लेट बनेंगे और नीचे शॉपिंग सेंटर भी रहेगा। हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि. को इसका ठेका सौंपा है और लगभग 100 करोड़ रुपए का खर्च

जीएसटी सहित इस प्रोजेक्ट में आएगा।

क्लब, स्विमिंग सहित ड्रेनेज के पानी को रीसाइकल करने के लिए एसटीपी प्लांट भी लगेगा और छतों पर सोलर पैनल का इस्तेमाल कर सौर ऊर्जा पैदा की जाएगी, जिसका इस्तेमाल कॉमन एरिया में किया जाएगा। 16 मंजिला ये टॉवर 1 लाख स्क्वेयर फीट से अधिक के विशाल भूखंड पर निर्मित किए जाएंगे, जिनमें 90 फ्लेट बनेंगे। प्राधिकरण का कहना है कि अभी आवश्यक अनुमतियों, जिसमें नगर निगम से नक्शा पास कराने और फिर रेरा से अनुमति लेने के बाद कुछ फ्लैटों की एडवांस बुकिंग भी की जाएगी, ताकि उससे भी प्राधिकरण को अच्छी राशि प्राप्त हो सके। बेसमेंट में विशाल पार्किंग के साथ सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रबंध भी किए जाएंगे और सीढ़ियों के साथ-साथ प्रत्येक टॉवर में 5-5 लिफ्ट भी रहेगी और किड्स प्ले एरिया, इनडोर गैम्स, जिम सहित अन्य सुविधाएं रहवासियों को मिलेगी। पूरा परिसर कवर्ड और सीसीटीवी कैमरों से लैस रहेगा। तीन बैडरुम वाले फ्लैट का कारपेट एरिया 165 स्क्वेयर मीटर, तो 4 बैडरुम वाले फ्लैट का कारपेट एरिया 190 मीटर और 5 बेडरुम वाले बड़े फ्लैट का कारपेट एरिया 252 स्क्वेयर मीटर यानी लगभग 2600 स्क्वेयर फीट का रहेगा।

प्रकाशक एवं मुद्रक गौरव गुप्ता द्वारा स्वामी अशर्फीलाल विमलादेवी मीडिया सर्विसेस प्रा.लि. के लिए डी. बी. कॉर्प लि., 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 401-402, डी.एम. टॉवर जंजीरवाला चौराहा, इंदौर 452001 से प्रकाशित। संपादक- दीपक गुप्ता, कार्यकारी संपादक-जितेंद्र जाखेटिया*। फोन नंबर-0731-4032200, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2013/52898* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।